

ब्रीफ न्यूज

अमेरिका में पढ़ने वाले छात्रों में भारत सबसे आगे, चीन को पीछे छोड़

नई दिल्ली। अमेरिका में पढ़ रहे भारतीय स्टूडेंट्स की संख्या सबसे ज्यादा है। 2009 के बाद पहली बार अमेरिका में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों की संख्या मामले में भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक 2023-2024 में अमेरिका में करीब 3.3 लाख भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं, जो अमेरिका में पढ़ने वाले 11 लाख विदेशी छात्रों में 29.4 फीसदी हैं। पिछले अकादमिक साल में इंटरनेशनल छात्रों की संख्या में भारतीय छात्रों की संख्या 25.4 फीसदी थी। इस तरह 15 साल में पहली बार भारत इस सूची में टॉप पर है। 2023-2024 में अमेरिका में पढ़ने वाले चीन के छात्रों की संख्या 2.77 लाख है, पिछले वर्ष में 27.4 फीसदी की तुलना में इस बार यह घटकर 24.6 फीसदी रह गई। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में भारत के पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों की संख्या 1.96 लाख है जिसमें पिछले साल के मुकाबले 18 फीसदी का इजाफा हुआ है। भारत के अंडरग्रेजुएट छात्रों की संख्या में 13 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

मैट गेट्ज़ ने अर्दोनी जनरल के पद के लिए अपना नामांकन वापस लिया

वॉशिंगटन। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक बड़ा झटका तब लगा जब पूर्व फ्लोरिडा रिपब्लिकन कांग्रेस सदस्य मैट गेट्ज़ ने गुरुवार को अमेरिकी अर्दोनी जनरल के पद के लिए अपना नामांकन वापस लेने का निर्णय लिया। गेट्ज़ का यह फैसला उस समय आया जब उनके खिलाफ यौन आरोपों को लेकर विवाद और जांच का मुद्दा गरमाया था। गेट्ज़ ने अपने 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा, 20 नवंबर को मेरी सीनेटर्स के साथ बेहतरीन बैठकें हुईं।



लेबनान में इजरायली हमले के बाद बेरुत के एक दूरदराज के इलाके में धुआं निकलते हुए।

युद्ध से गाजा बना बच्चों का कब्रिस्तान स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा से हो रहे वंचित

संयुक्त राष्ट्र एजेंसी प्रमुख जनरल फिलिप लाजारिनी ने जताई गहरी चिंता

एजेंसी ■ गाजा

गाजा में इजरायली के हवाई हमलों में मारे गए हजारों लोगों और भयावह परिस्थितियों के बीच फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के प्रमुख जनरल फिलिप लाजारिनी ने गहरी चिंता जताई है। विश्व बाल दिवस पर उन्होंने गाजा को बच्चों के लिए कब्रिस्तान बताया है। उन्होंने कहा कि इजरायली हमलों में यहां बच्चे न केवल मारे जा रहे हैं और घायल भी हो रहे हैं, बल्कि उन्हें सुरक्षा, शिक्षा और सामान्य बचपन के अधिकारों से वंचित भी हो गए हैं। उन्होंने कहा कि गाजा के बच्चों का बचपन छिन चुका है। वे एक खोई हुई पीढ़ी बनने



के कगार पर हैं, क्योंकि उन्होंने एक और स्कूल का साल खो दिया है। वेस्ट बैंक के बच्चों की स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वे डर और चिंता के साए में जीने को मजबूर हैं। फिलिस्तीनी समूहों ने गाजा और वेस्ट बैंक में बच्चों की सुरक्षा तय करने के लिए अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई

की मांग की है। फिलिस्तीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि इजरायली कार्रवाइयों से सबसे ज्यादा असुरक्षित बच्चे हैं, जो अपने जीवन के मौलिक अधिकारों से वंचित किए जा रहे हैं। मंत्रालय ने चेतावनी दी कि गाजा में लाखों बच्चे खाने और स्वच्छ पानी की कमी का सामना कर रहे हैं।

इजराइल को हथियारों की आपूर्ति रोकने को लेकर बाइडन अपनी ही पार्टी में घिरे

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को अब अपनी ही पार्टी के अंदर विरोध झेलना पड़ रहा है। कुछ डेमोक्रेटिक सांसदों ने इजराइल को हथियारों की आपूर्ति रोकने के बिल को समर्थन देने का मन बना लिया है, जिससे बाइडन प्रशासन दबाव में है। यह कदम बाइडन के लिए बड़ा झटका होगा, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप ने हमेशा इजराइल को हथियारों की आपूर्ति के खिलाफ अपनी स्थिति बनाई थी और इसे अपनी चुनावी अभियान का हिस्सा भी बनाया। अमेरिकी सीनेटर्स ने इस बिल को रोक दिया है। बाइडन प्रशासन पहले से ही डेमोक्रेटिक सीनेटर्स को इस विधेयक के खिलाफ वोट देने के लिए मनाने की कोशिश की थी, लेकिन पार्टी के कुछ सदस्य इस बिल को आगे बढ़ाने के पक्ष में थे। यह विधेयक इजराइल को 20 अरब डॉलर से ज्यादा के हथियारों की आपूर्ति को रोकने का प्रस्ताव करता था। सीनेटर बर्नी सैंडर्स, पीटर वेल्च, जेफ मर्कले और ब्रायन शैट्ज द्वारा प्रस्तुत इस विधेयक पर मतदान हो चुका है।

खूबसूरती में लंदन फिर टॉप पर, लगातार 10वीं बार जीता वैश्विक खिताब

22 हजार से ज्यादा लोगों ने लंदन को सबसे बेहतरीन शहर माना

एजेंसी ■ लंदन

लंदन ने लगातार 10वीं बार दुनिया के सबसे खूबसूरत और कई सुविधाओं के साथ शहर ने टॉप रैंकिंग हासिल किया है। इस वार्षिक रैंकिंग में लंदन ने न्यूयॉर्क, पेरिस और टोक्यो को पीछे छोड़कर अपना टॉप स्थान बरकरार रखा है। यह रैंकिंग रेजोनेंस नामक ग्लोबल एडवाइजरी फर्म द्वारा जारी की जाती है, जो रियल एस्टेट, पर्यटन और आर्थिक विकास जैसे क्षेत्रों में काम करती है। इस रिपोर्ट में उन शहरों का आकलन किया गया है, जिनकी आबादी 10 लाख से ज्यादा है। इस साल के विश्लेषण में 30 देशों के

22 हजार से ज्यादा लोगों की राय को शामिल किया गया, जिससे पहली बार सार्वजनिक धारणा को भी मूल्यांकन का हिस्सा बनाया गया। रैंकिंग में कई कारकों का विश्लेषण किया गया, जिसमें सांस्कृतिक विविधता, बिजनेस इंफ्रास्ट्रक्चर, नाइटलाइफ, पर्यावरण की गुणवत्ता, रीजनल एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी, शिक्षा और पर्यटन का स्तर शामिल है। लंदन की सांस्कृतिक धरोहर, मजबूत व्यवसायिक बुनियादी ढांचा और वैश्विक अपील इसे बाकी शहरों से अलग बनाती है। रेजोनेंस के अध्यक्ष और सीईओ ने कहा कि महामारी के दौरान लोगों की

प्राथमिकताएं बदली हैं। वे न केवल किफायती, बल्कि बेहतर जीवन स्तर और आकर्षक सुविधाओं वाले शहरों की तलाश कर रहे हैं। रैंकिंग के लिए शहरों का विश्लेषण कई मापदंडों पर किया जाता है, जिसमें सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व, खरीदारी और नाइटलाइफ का अनुभव, शिक्षा के उच्च स्तर वाले विश्वविद्यालयों की उपस्थिति, आर्थिक विकास और बिजनेस के लिए अनुकूल माहौल होता है। लंदन की पहचान न केवल एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल के रूप में है, बल्कि यह एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र भी है।

भारत में रह रही हसीना के खिलाफ बांग्लादेश में मुकदमों की बाढ़



एजेंसी ■ ढाका

बांग्लादेश में राजनीतिक संकट गहराता जा रहा है। प्रधानमंत्री शेख हसीना इस समय भारत में शरण लिए हुए हैं, जबकि देश में अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद युनुस ने उनके खिलाफ कई कानूनी मुकदमों दर्ज करवा दिए हैं। यह स्थिति इतनी गंभीर है कि शेख हसीना के स्वदेश लौटने पर उनके जीवन का अधिकांश समय अदालतों में बीत सकता है। मोहम्मद युनुस ने न केवल शेख हसीना बल्कि उनकी पार्टी अवामी लीग पर भी शिकंजा कसने की कोशिश की है। युनुस का

प्रयास है कि आगामी चुनावों में अवामी लीग की भागीदारी पर प्रतिबंध लगाया जाए। हालांकि, इस मामले में अप्रत्याशित मोड़ तब आया जब शेख हसीना की कट्टर राजनीतिक विरोधी बांग्लादेश नेशनल पार्टी की अध्यक्ष खालिदा जिया ने युनुस की योजना का विरोध किया। बीएनपी, जो बांग्लादेश की सबसे मजबूत विपक्षी पार्टी मानी जा रही है और आगामी चुनावों में सत्ता में आने की प्रबल दावेदार है, ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सभी दलों की भागीदारी आवश्यक है।

तानसेन संगीत समारोह 2024

उत्सव के 100 वर्ष

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

पूर्वरंग : तानसेन समारोह

प्रदेश के बाहर (संगोष्ठी एवं सांगीतिक प्रस्तुतियाँ)

- 22 नवम्बर, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर
- 24 नवम्बर, महा. सयाजीराव वि.वि., वड़ोदरा
- 26 नवम्बर, इं. कला संगीत वि.वि., खैरागढ़
- 30 नवम्बर, म. गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

प्रदेश में (संगोष्ठी एवं सांगीतिक प्रस्तुतियाँ)

- 22 - 24 नवम्बर, 2024 - भोपाल
- 05 दिसंबर, 2024 - रीवा
- 06 दिसंबर, 2024 - गुना
- 07 दिसंबर, 2024 - शिवपुरी
- 07 दिसंबर, 2024 - ओरछा
- 11 दिसंबर, 2024 - खंडवा
- 12 दिसंबर, 2024 - भोपाल
- 14 दिसंबर, 2024 - ग्वालियर

फिल्म-प्रदर्शन

- 04 - 08 दिसंबर, 2024 - भारत भवन, भोपाल

तानसेन एवं अन्य संगीत मनीषियों पर केंद्रित फिल्मों का प्रदर्शन

मुख्य समारोह

शुभारंभ 15 दिसंबर 2024 सायं 7.00 बजे
तानसेन समाधि परिसर, हजीरा

15-19 दिसंबर, 2024
प्रातः एवं सायंकालीन सभाएँ

तानसेन समाधि परिसर
हजीरा, बेहट, गुजरी महल - ग्वालियर

सौ से अधिक श्रेष्ठ संगीतज्ञों, गायकों की प्रस्तुतियाँ

जापान, इटली, इजराइल, फ्रांस के कलाकारों की सहभागिता

विस्तृत जानकारी वेबसाइट www.tansensamaroh.com पर उपलब्ध है

अन्य आकर्षण

- राष्ट्रीय तानसेन सम्मान अलंकरण
- राष्ट्रीय राजा मानसिंह तोमर सम्मान अलंकरण
- तानसेन केंद्रित पुस्तक/स्मारिकाओं का लोकार्पण
- संगीत सभाओं का लाइव चित्रांकन
- 99 वर्षों की तानसेन समारोह की यात्रा का सांगीतिक आस्वादन
- शास्त्रीय और लोक संगीत में उपयोगी वाद्यों की प्रदर्शनी
- तानसेन सम्मान से अलंकृत विभूतियों की छवियाँ
- संगीत की शास्त्रीय विधाओं पर संवाद
- गुरु-शिष्य परम्परा केंद्रित परिचर्चा
- संगीत घरानों केंद्रित सेमिनार

Follow us -

MP Culture App | culturedepartmentmadhyapradesh | Tansensamaroh@gmail.com | https://tansensamaroh.com/ | @Tansen Samaroh

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग का प्रतिष्ठा आयोजन

आप सभी सादर आमंत्रित हैं
प्रवेश नि:शुल्क

D-11104/24 * कार्यक्रम परिवर्तनीय

जातीय समीकरण में बंध गया कमल और साइकिल की रेस का रोमांच

विधानसभा उपचुनाव: हाथी भी इस बार आगे निकलने की होड़ में दिख रहा, मतगणना आज... दोपहर तक नए विधायक का चेहरा हो जाएगा साफ

सत्ता सुधार ■ लखनऊ
सियासी सरजमीं पर सियासत कौन सी करवट बैठेगी इसके लिए शनिवार की दोपहर तक का इंतजार करना होगा। फूलपुर विधानसभा उपचुनाव में हुए मतदान में इस बार कम मत प्रतिशत चर्चा का विषय है। कमल और साइकिल की रेस का रोमांच इस बार जातीय समीकरणों में बंधा दिख रहा है। बसपा का हाथी भी इस बार आगे निकलने की होड़ में है। मतदान के अगले दिन सभी

राजनीतिक दलों के सियासी धुरंधर चुनावी गुणा भाग करते नजर आए। इस बार प्रमुख दलों के सामने नई चुनौतियां पेश आईं तो कहीं उन्हें फायदा भी मिला। माहौल ऐसा रहा कि तमाम मतदाताओं ने मौन तोड़कर अपनी बात सफाई से बता दी। तर्क दिया कि वह क्यों किसके साथ हैं। खेमेबंदी अलग तरह की दिखाई दी। सपा और भाजपा के तमाम पदाधिकारी बूथों से मिली रिपोर्ट की समीक्षा करते नजर आए।



नतीजे से तय होगा सांसद प्रतीक पटेल का कद
विधानसभा उपचुनाव का नतीजा फूलपुर के सांसद प्रतीक पटेल के सियासी कद का भी निर्धारण करेगा। पटेल सांसद बनने के पूर्व इस विधानसभा से लगातार दो बार विधायक रह चुके हैं। उन्होंने वर्ष 2017 में इस विधानसभा सीट पर पहली बार कमल खिलाया, लेकिन 2022 के चुनाव में सपा प्रत्याशी मुजतबा सिद्दीकी ने उन्हें कड़ी टक्कर दी, बाद में प्रतीक मामूली अंतर से चुनाव जीते। हालांकि लोकसभा चुनाव के दौरान फूलपुर विधानसभा सीट पर प्रतीक पटेल सपा प्रत्याशी से काफी पिछड़ गए। विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी की शहर उतरी विधानसभा सीट ने अगर प्रतीक को बड़ा मार्जिन न दिया होता तो इस लोकसभा सीट पर भी इंडिया गठबंधन का ही कब्जा होता।

यहां की समीक्षा
कोटावा, जमनीपुर, हनुमानगंज, जलालपुर, अदावा, सहस्री, फूलपुर बाजार, हेता पट्टी आदि के बूथों की गहन समीक्षा हुई। इसमें पाया गया कि साइकिल कहीं बहुत तेज दौड़ी तो कहीं भाजपा के लिए सुखी कही जाने वाली धरती पर कमल की पंखुडियां खिलती दिखाई।
आजाद समाज पार्टी की उपचुनाव में दस्तक
आजाद समाज पार्टी पहली बार यहां उपचुनाव में दस्तक देती दिखाई दी। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक अशोक

बाजपेयी ने बताया कि वर्तमान में फूलपुर और पूर्व में झुसी विधानसभा चुनाव के नतीजे काफी हद तक जातीय समीकरण के आधार पर ही आते हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान यहां कुर्मी, मौर्य, पाल, सर्वाण आदि बिरादरी के वोटों में बिखराव देखने को मिला, लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। यह भी जानकारी मिली है कि यादव और मुस्लिम बहुल बूथों पर भी उपचुनाव की वजह से मत प्रतिशत कम रहा। फूलपुर विधानसभा उपचुनाव के प्रभारी केशव प्रसाद मौर्य ने उपचुनाव को लेकर यहां प्रत्याशी का नाम घोषित होने से पहले ही अपनी बड़ी टीम यहां उतार दी थी।

ब्रीफ न्यूज

अब गौतमबुद्ध नगर पुलिस कहेगी हाऊ कैम आई हेल्प यू...

नोएडा: गौतमबुद्ध नगर पुलिस अब लोगों से इंग्लिश में भी बात करेगी और लोगों से कहेगी हाऊ कैम आई हेल्प यू... पुलिस की इंडिक् और तरीके को दुरुस्त करने ट्रेनिंग दी जाएगी। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि अपनी बात सही तरीके से रखने के लिए कम्युनिकेशन होना जरूरी है। मेट्रो सिटी में कई लोग अपनी लोकल भाषा या इंग्लिश में सहज होते हैं, इसको ध्यान में रखकर पुलिस इंग्लिश की ट्रेनिंग करवाने का फैसला लिया गया है। एक्सपर्ट ट्रेनिंग देंगे। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि शहर में साढ़े 400 एसआई के साथ इसकी शुरुआत की जाएगी। ये सभी क्रॉलिंग हैं, सिर्फ उनकी कम्युनिकेशन रिकल को बेहतर किया जाएगा, ताकि पुलिस की इमेज बेहतर हो सके। जबरन के हिस्से से अपनी भाषा को स्विच कर सकें, इसलिए यह ट्रेनिंग कराई जाएगी।

आनंद भवन के गेट पर लागा 'इंदिरा इज बैक' का बैनर

प्रयागराज: नेहरू-गांधी परिवार के पैरुक निवास आनंद भवन के गेट पर इंदिरा गांधी और प्रियंका वाड़ा के चित्र वाला बैनर लगाया गया है। बैनर में इंदिरा इज बैक लिखा है। इसके जरिए प्रियंका को इंदिरा के समतुल्य दिखाया गया है। बैनर के जरिए कांग्रेसियों ने वायनाड लोकसभा उपचुनाव में प्रियंका को जीत की अग्रिम बधाई दी है। कांग्रेस प्रवक्ता हसीब अहमद ने कहा इंदिरा गांधी का अवतार प्रियंका है। वह अब राजनीति की मुख्य धारा में आकर सदन में ललकारेगी। इलाहाबाद के कर्नलसंग रोड पर स्थित आनंद भवन का इतिहास काफी पुराना है। कांग्रेस प्रवक्ता हसीब अहमद ने बताया कि मोतीलाल नेहरू ने आजादी से पहले आनंद भवन को मात्र 2500 रुपए में खरीदा था।

दुष्कर्मा का वीडियो दिखाकर धन उगाही का आरोप: पीड़िता ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

बस्ती: बलरामपुर जनपद से मार्केटिंग का काम करने आई युवती को एक युवक द्वारा कोतवाली थाना क्षेत्र के पतेल चौक स्थित ग्रीन वैली होटल में ले जाकर हवस का शिकार बनाने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने वीडियो दिखाकर ब्लेकमेलिंग करने वाले कलवारी थाना क्षेत्र के कलवारी मुस्तहक निवासी आलोक पाण्डेय के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करवाकर न्याय दिलाने की गुहार लगाया है। शुकवार को बलरामपुर जनपद निवासी पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक को पत्र दिया। पीड़िता ने एसपी कार्यालय पहुंचकर की न्याय की गुहार लगाई है।

कवायद

आईएमएस बीएचयू में अब एम्स जैसी मिलेगी सुविधा

एजेंसी ■ वाराणसी
आईएमएस बीएचयू में एम्स जैसी सुविधा मिलने की दिशा में एक बार फिर नए सिरे से एमओयू की तैयारी पूरी कर ली गई है। इसके लिए संस्थान स्तर पर कागजी प्रक्रिया पूरी हो गई है। नई दिल्ली में स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की मौजूदगी में शुकवार को बैठक हुई। स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और शिक्षा मंत्री धर्मदेव प्रधान की मौजूदगी में एमओयू पर हस्ताक्षर हो गए। इस दौरान कुलपति प्रो.सुधीर जैन, आईएमएस बीएचयू के निदेशक प्रो.एसएन संखवार के साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय के अधिकारी मौजूद रहे। इसके लिए जरूरी कागजात के साथ

दिल्ली में एमओयू पर हस्ताक्षर, पूर्वांचल के लिए बड़ी बात, सुधरेगी सुविधाएं

आईएमएस बीएचयू में अब एम्स जैसी मिलेगी सुविधा

निदेशक समेत विविध के अन्य अधिकारी गुस्वार को दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। आईएमएस बीएचयू में एम्स जैसी सुविधा के लिए पांच अगस्त 2018 को बीएचयू के केएन उडुपा सभागार में स्वास्थ्य मंत्रालय और मानव संसाधन विकास

मंत्रालय (वर्तमान में शिक्षा मंत्रालय) के बीच एमओयू किया गया था। इसके तहत आईएमएस बीएचयू में एम्स जैसी सभी सुविधाएं मिलने की घोषणाएं की गई थीं। ऐसा इसलिए कि देशभर में एम्स के संचालन में जितनी स्वास्थ्य मंत्रालय

की भागीदारी है, अब नए सिरे से एमओयू होने के बाद यहां एम्स जैसी सुविधा में स्वास्थ्य मंत्रालय की भागीदारी ही मुख्य होगी। **बिहार-झारखंड को भी मिलेगा लाभ:** उधर, नई दिल्ली में एम्स जैसी सुविधा पर एमओयू पर प्रसन्नता

व्यक्त करते हुए बीएचयू ट्रामा सेंटर प्रभारी प्रो. सोरभ सिंह ने कहा कि इस पहल से बीएचयू में आने वाले युपी के अन्य जिलों के मरीजों के साथ ही बिहार झारखंड आदि जगहों के मरीजों को पहले से यहां मिलने वाली सुविधाओं में भी बढ़ोतरी होगी।

व्यक्त करते हुए बीएचयू ट्रामा सेंटर प्रभारी प्रो. सोरभ सिंह ने कहा कि इस पहल से बीएचयू में आने वाले युपी के अन्य जिलों के मरीजों के साथ ही बिहार झारखंड आदि जगहों के मरीजों को पहले से यहां मिलने वाली सुविधाओं में भी बढ़ोतरी होगी।

